हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
शनिवार, 11 फरवरी 2017, बरेली, पांच प्रदेश, 20 संस्करण
www.livehindustan.com

विशेषज्ञों से ऑनलाइन जुड़ेंगे शोध छात्र

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि (एकेटीयू) के कॉलेजों में शोध कर रहे छात्र सीधे विशेषज्ञों से जुड़ सकेंगे। विवि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने बताया कि विवि जल्द ही एक पोर्टल के जरिए अपने सभी पंजीकृत शोध छात्र-छात्राओं को जोड़ेगा।

फैसला : केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने प्रस्ताव को मंजूरी दी, अगले साल से नियम लागू होगा

इंजीनियरिंग के लिए एक प्रवेश परीक्षा

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को वर्ष 2018 से देश में एक ही इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। मेडिकल में प्रवेश के लिए नीट की भांति अब इंजीनियरिंग के लिए भी एक ही परीक्षा होगी। इसी परीक्षा के माध्यम से देश के साढ़े तीन हजार इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश लिया जा सकेगा।

केंद्र सरकार राज्यों से विचार-विमर्श करेगी : मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने इस बारे में अधिसूचना जारी कर दी है। इसमें एकल परीक्षा के प्रस्ताव को 2018 से लागू करने की मंजूरी देते हुए एआईसीटीई को इसके लिए आवश्यक नियम बनाने को कहा। परीक्षा का खाका तैयार करने के बाद केंद्र सरकार राज्यों से विचार-विमर्श करेगी।

गुणवत्ता में सुधार के लिए उठाया गया कदम : एकल परीक्षा के पीछे सरकार की मुख्य मंशा इंजीनियरिंग शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है। दूसरे, प्रवेश में की जाने वाली गड़बड़ियों को रोकना है, जिसमें कैपिटेशन फीस आदि की वसूली की शिकायतें शामिल हैं। तीसरे, छात्रों को एक से अधिक परीक्षाओं से मुक्ति दिलाना है।

विशेषज्ञ समिति ने दिया था सुझाव : कुछ समय पूर्व एआईसीटीई की विशेषज्ञ समिति ने एक इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा का सुझाव दिया था। बाद में एआईसीटीई की बोर्ड बैठक में भी इसे मंजूरी प्रदान की गई थी।

'हिन्दुस्तान' ने सबसे पहले सरकार की इस तैयारी की खबर को पिछले साल 26 मई को प्रमुखता से प्रकाशित किया था।

जेईई मेन में भी हो सकता संशोधन : एआईसीटीई के अनुसार, जेईई मेन परीक्षा को भी थोड़ा संशोधित करके इंजीनियरिंग एकल प्रवेश परीक्षा बनाया जा सकता है। इसमें औसतन 12 लाख छात्र बैठते हैं। एकल परीक्षा बनने में यह संख्या करीब 15 लाख तक पहुंचने की उम्मीद है। इस पर अभी चर्चा होनी है। हालांकि, आईआईटी के लिए पहले की भांति अलग परीक्षा जारी रहेगी। मालूम हो कि देश भर में आईआईटी के अलावा 3500 अन्य कॉलेजों में भी इंजीनियरिंग की पढ़ाई होती है।

17 लाख सीटें देशभर में इंजीनियरिंग के विभिन्न पाठ्यक्रमों में हैं

09 लाख छात्र प्रवेश लेते है हर साल, 8 लाख सीटें रह जाती हैं

क्या फायदे होंगे

- छात्रों को कई परीक्षाओं से मुक्ति मिलेगी, फार्म भरने में आने वाला खर्च भी बचेगा
- प्रबंधन कोटा में कैपिटेशन फीस से निजात मिलेगी, जिसमें अक्सर कॉलेज मनमानी करते हैं
- राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले परीक्षा से सबसे योग्य उम्मीदवारों का चयन हो सकेगा

परीक्षाओं का जंजाल

- देशभर में इंजीनियरिंग कॉलेजों में दाखिले के लिए 24 से अधिक प्रवेश परीक्षाएं आयोजित होती हैं
- कई विश्वविद्यालय और डीम्ड विश्वविद्यालय अपने स्तर पर परीक्षाएं कराती हैं
- आईआईटी में प्रवेश के लिए देश भर में अलग से परीक्षा ली जाती है, जिसमें जेईई एडवांस उत्तीर्ण करना जरूरी है

सैट की तरह साल में दो बार परीक्षा होगी

एआईसीटीई के चेयरमैन डॉ. अनिल सहस्रबुद्धे ने कहा कि एकल परीक्षा की खूबी यह होगी कि वह कम से कम साल में दो बार आयोजित की जाएगी। छात्रों को उसमें बैठने का मौका मिलेगा और बेस्ट स्कोर को शामिल किया जाएगा। मूलत: सैट के पैटर्न पर यह परीक्षा आयोजित होगी। उन्होंने कहा कि मंत्रालय की हरी झंडी मिल चुकी है और अब एआईसीटीई परीक्षा का खाका तैयार करेगा।